प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 8 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

मनुष्य जीवन कर्म–प्रधान है। मनुष्य को निष्काम भाव से सफलता–असफलता की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य का पालन करना है। आशा या निराशा के चक्र में फँसे बिना उसे निरंतर कर्तव्यरत रहना है। किसी भी कर्तव्य की पूर्णता पर सफलता अथवा असफलता प्राप्त होती है। असफल व्यक्ति निराश हो जाता है किन्तु मनीषियों ने असफलता को भी सफलता की कुंजी कहा है। असफल व्यक्ति अनुभव की संपत्ति अर्जित करता है जो उसके भावी जीवन का निर्माण करती है। जीवन में अनेक बार ऐसा होता है कि हम जिस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करते हैं वह पूरा नहीं होता। ऐसे अवसर पर सारा परिश्रम व्यथ हो गया–सा लगता है और हम निराश होकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उद्देश्य की पूर्ति के लिए दोबारा प्रयत्न नहीं करते। ऐसे व्यक्ति का जीवन धीरे–धीरे बोझ बन जाता है। निराशा का अंधकार न केवल उसकी कर्म–शक्ति, बल्कि उसके समस्त जीवन को ही ढक लेता है। निराशा की गहनता के कारण लोग कभी–कभी आत्महत्या तक कर बैठते हैं। मनुष्य जीवन धारण करके कर्म–पथ से कभी विचलित नहीं होना चाहिए। विघ्न–बाधाओं की सफलता–असफलता की तथा हानि–लाभ की चिंता किए बिना कर्तव्य के मार्ग पर चलते रहने में जो आनंद एवं उत्साह है, उसमें ही जीवन की सार्थकता है।

कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, फल पर नहीं। केवल फल के लिए कर्म करने वाले मत बनो और अकर्म के प्रति भी आसक्त मत हो जाओ। श्रीकृष्ण ने गीता के द्वारा यह उपदेश देकर मनुष्य जाति को कर्म करते रहने के लिए प्रेरित किया है। जिसने मन से, लगन से और पूर्ण भावना से किसी कार्य को आरंभ किया, उसे सफलता मिलने में देर नहीं लगती। हर छोटे–से–छोटे कार्य की सफलता के पीछे यही मूल–मंत्र है। कर्म तभी प्रधान होता है और श्रेष्ठ बनता है, जब वह मन के द्वारा संचालित होता है और जब कर्म मन के द्वारा संचालित होने लगता है तब वह विविध प्रकार की सिद्धियों के द्वार खोलने लगता है परन्तु हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं, उसका क्या परिणाम होगा। हमें तो बस अपना कर्म करते जाना है, फल की इच्छा नहीं रखनी चाहिए। अगर हम यह सोचते रहेंगे कि इसका क्या परिणाम निकलेगा, तो हम अपने आपको उन्नत और प्रगतिशील नहीं बना पाएँगे। कर्म को अपनी पूजा की तरह निरंतर करते चलो और उसका क्या परिणाम होना है, यह मत सोचो। व्यक्ति अपने कर्मों से ही महान बनते हैं। कर्म के द्वारा ही मनुष्य की पहचान होती है।

1. मनुष्य के कर्तव्य–पालन में कैसा भाव होना चाहिए? 2
2. कैसे व्यक्ति का जीवन बोझ बन जाता है? 2
3. जीवन की सार्थकता किस पर निर्भर करती है? 2
4. कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, फल पर नहीं। इसमें श्रीकृष्ण ने क्या बताया है? 2
5. परिणाम की इच्छा क्यों नहीं रखनी चाहिए? 1
6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए? 1

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. **पद किसे कहते हैं?** **1**

3. **निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।** $1 \times 3 = 3$

1. शरीर से कमजोर व्यक्ति के लिए यह प्रतियोगिता नहीं है। (मिश्र वाक्य में)
2. बालक रो-रोकर चुप हो गया। (संयुक्त वाक्य में)
3. ज्यों ही वह पहुँचा, वर्षा होने लगी (सरल वाक्य में)

4. **1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए-** $1 \times 2 = 2$

जलधारा, पंचानन

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

भूख से मरा हुआ, रात ही रात में

5. **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।** $1 \times 4 = 4$

1. हमें परिश्रम पूर्ण पढ़ना चाहिए।
2. हमको, तुमको और श्याम को अवश्य जाना है।
3. राम, लक्ष्मण और सीता वन को गई।
4. बगीचे की फूलें सुगंधित है।

6. **उचित मुहावरों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।** $1 \times 4 = 4$

1. हमारी सेना ने दुश्मनों का ..... दिया।
2. मिठाई देखकर उसके मुँह में .....।
3. परीक्षा में प्रथम आने के लिए दीक्षा ने आकाश ..... दिया।
4. राजेश से पत्र लिखवाने की कह रहे हो, उसके लिए तो काला ..... है।

खण्ड-ग (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 28

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए।** $2 \times 3 = 6$

1. **गिन्नी का सोना** प्रसंग के आधार पर लिखिए की आदर्शवादी लोगों ने समाज के लिए क्या किया है?
2. प्रकृति में असंतुलन का क्या परिणाम हुआ? अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले, पाठ के आधार पर लिखिए।
3. **कारतूस** पाठ में कौन वर्षों से किसका पीछा कर रही है? उसका उद्देश्य क्या है?
4. कैसे लोगों को गिरगिट की संज्ञा दी जाती है?

8. **जुलूस के लाल बाजार आने पर लोगों की क्या दशा हुई? उसका लाभ क्रांतिकारियों को किस प्रकार मिला? 80-100 शब्दों में बताइये।** **5**

अथवा

बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताओं का उल्लेख 80-100 शब्दों में कीजिए।

9. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए।** $2 \times 3 = 6$

1. आपस में शत्रुता का भाव रखने वाले जीव भी जंगल में एक ही स्थान पर विश्राम क्यों करते हैं? बिहारीकृत दोहे के आधार पर बताइए।
2. कवि गुप्त जी ने भाग्यहीन किन्हें बताया है और क्यों? **मनुष्यता** कविता के संदर्भ में उत्तर दें।
3. वर्षा के समय शाल के वृक्ष भयभीत होकर धरती में क्यों धँस गए दिखते हैं?
4. विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

10. **कर चले हम फिदा, गीत का केन्द्रीय भाव क्या है? 80-100 शब्दों में लिखिए।** **5**

अथवा

आत्मत्राण कविता के आधार पर 80-100 शब्दों में बताइए कि मनुष्य को ईश्वर के साथ-साथ किस पर विश्वास करना चाहिए और क्यों?

11. **1. हेडमास्टर साहब ने पी.टी. साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया? 60–70 शब्दों में बताइये।** **3**

2. यदि आपके आसपास हरिहर काका जैसी हालत में कोई हो तो आप किस प्रकार मदद करेंगे। 60–70 शब्दों में बताइये। 3

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।** **6**

(1) आज की युवा पीढ़ी

* भौतिकता की ओर आकर्षण * भारतीय संस्कृति के प्रति घटती आस्था * कुछ कर गुजरने की हिम्मत।

(2) मानव की सुरक्षा : प्रकृति की रक्षा

* मानव–प्रकृति पुरातन संबंध * प्रकृति का संरक्षण * दोनों का संतुलन।

(3) इंटरनेट का जीवन में उपयोग

* इंटरनेट क्या है? * लाभ–समय की बचत, शिक्षा में सहायक * उपयोग के सुझाव।

13. **अपने विद्यालय में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था हेतु प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए।** **5**

अथवा

पढ़ाई का सत्र प्रारंभ हो चुका है किन्तु बाजार में पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। इस समस्या को उठाते हुए किसी दैनिक पत्र के संपादक को 80–100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

14. **आप इस वर्ष दशहरे के अवसर पर विद्यालय के प्रांगण में मेले का अयोजन करना चाहते हैं। इसी से संबंधित सूचना 40–50 शब्दों में विद्यालय के सूचना पट्ट के लिए लिखिए।** **5**

अथवा

आपने घर बनाने के लिए एक भूखण्ड खरीदा है। खाली जगह होने के कारण लोग वहाँ कूड़ा कचरा फेंक देते हैं। लोगों को सूचित व सतर्क करने के लिए सूचना पत्र 40–50 शब्दों में लिखिए जिससे वे कूड़ा न फेंक सकें।

15. **विद्यालय में होने जा रही वाद–विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले दो प्रतिभागियों के बीच के वार्तालाप को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद शैली में प्रस्तुत कीजिए।** **5**

अथवा

पिता और पुत्री के बीच मोबाइल की आवश्यकता पर हुई बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद के रूप में प्रस्तुत कीजिए।

16. **आपके शहर में ऊनी कपड़ों की सेल लगी है। इसके लिए 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।** **5**

अथवा

चाय विक्रेता हेतु सुंदर विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

Download Solved Version of this unsolved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.